Seat No. _____ No. Of Printed Pages : 2

[29]

SARDAR PATEL UNIVERSITY

B. A. (Semester – I) Examination

Friday, 26th October, 2018 (NC) (OLD COURSE)

10 : 00 AM To 01: 00 PM

UAO1CHLT01 – Hindi - 1 आधुनिक हिन्दी काव्य (रश्मिरथी)

कुल गुण : ७०

प्रश्न १ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (किन्हीं तीन) (१५)

(१) नहीं फूलते कुसुम मात्र राजाओं के उपवन में,
अमित बार खिलते वे पुर से दूर कुंज-कानन में।
समझे कौन रहस्य? प्रकृति का बड़ा अनोखा हाल,
गुदड़ी में रखती चुन-चुन कर बड़े कीमती लाल।

(२) माँगो, माँगो दान, अन्न या वसन, धाम या धन दूँ ?
अपना छोटा राज्य याकि यह क्षणिक, क्षुद्र जीवन दूँ ?
मेघ भले लौटें उदास हो किसी रोज़ सागर से,
याचक फिर सकते निराश पर, नहीं कर्ण के घर से।

(३) हाय कर्ण, तू क्यों जन्मा था? जन्मा तो क्यों वीर हुआ?
कवच और कुण्डल-भूषित भी तेरा अधम शरीर हुआ।
धँस जाये वह देश अटल में, गुण ही जहाँ नहीं पहचान,
जाति-गोत्र के बल से ही आदर पाते है जहाँ सुजान।

(४) तू दानी, मैं कुटिल प्रवंचक, तू पवित्र, मैं पापी,
तू देकर भी सुखी और मैं लेकर भी परितापी।
तू पहुँचा है जहाँ कर्ण, देवत्व न जा सकता है,
इस महान् पद को कोई मानव ही पा सकता है।

(५) समझा, तो यह और न कोई, आप स्वयं सुरपति हैं,
देने को आये प्रसन्न हो तप में नयी प्रगति हैं।
धन्य हमारा सुयश आपको खींच मही पर लाया,
स्वर्ग भीख माँगने आज, सच ही, मिट्टी पर आया।

(P. T. O.)

प्रश्न २ "रश्मिरथी" खण्डकाव्य के आधार पर कुंती का चरित्र-चित्रण कीजिए। २०

अथवा

प्रश्न २ टिप्पणी लिखिए :

(१) "रश्मिरथी" की समस्याएँ।

(२) "रश्मिरथी" का शीर्षक।

प्रश्न ३ "रश्मिरथी" खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में बताते हुए उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। २०

अथवा

प्रश्न ३ टिप्पणी लिखिए :

(१) "रश्मिरथी" में कुंती-कर्ण संवाद।

(२) "रश्मिरथी" का परशुराम।

प्रश्न ४ (अ) संक्षेप में लिखिए : (कोई एक) ०८

(१) "रश्मिरथी" के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु।

(२) "रश्मिरथी" खण्डकाव्य का संदेश।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं सात प्रश्नों के अति संक्षेप में उत्तर लिखिए। ०७

(१) द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा क्यों मांग लिया?

(२) "रश्मिरथी" के कवि का नाम क्या है?

(३) परशुराम ने क्या प्रतिज्ञा की थी?

(४) कर्ण के पिता का क्या नाम है?

(५) पाण्डव पक्ष में आने के लिए कृष्ण ने कर्ण को क्या कहा?

(६) कर्ण को दानवीर क्यों कहा जाता है?

(७) कर्ण से निराश होकर अंत में कुंती क्या कहती है?

(८) "रश्मिरथी" खण्डकाव्य में कितने सर्ग है?

(९) "रश्मिरथी" का नायक कौन है?

—X—